कालीन निर्यात संवर्धन परिषद
CARPET EXPORT PROMOTION COUNCIL
(Set up by Ministry of Textiles, Govt of India)

Registered Office: Shree Jee Complex, Shop No T3, Sharma Market, Harola, NOIDA, (U.P.)
Working Office: 2nd Floor, Rajiv Gandhi Handicrafts Bhawan, Baba Kharak Singh Marg, New Delhi – 110001
Tel.: +91-11-23364716, 23364717, **Website:** www.cepc.co.in, **E-Mail :** info@cepc.co.in
Regional Office: Bhadohi Carpet Expo Mart, Carpet City, Bhadohi, - 221409 (U.P.)
Regional Office: IICT Campus, Baghi Ali Mardan Khan, Nowshera, Srinagar - 190023 (J & K)
Website of Ministry of Textiles: www.texmin.nic.in

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक 27-03-2021

CEPC- eBay सहयोग के माध्यम से कालीनों और आसनों के क्रॉस बॉर्डर ई-कॉमर्स पर वेबिनार

ईबे के साथ सहयोग से कालीन निर्यात संवर्धन परिषद ने 26 मार्च 2021 को क्रॉस बॉर्डर ई-कॉमर्स ऑफ कार्पेट्स एंड रग्स पर एक वेबिनार आयोजित किया। समय बीतने के साथ और कोरोना महामारी द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को ध्यान में रखते हुए एवं हस्तनिर्मित कालीन उद्योग नवीनतम तकनीकी परिवर्तनों के साथ बराबर बना रहे इसलिए ई-कॉमर्स भारतीय उद्योग के लिए महत्वपूर्ण है। ई-कॉमर्स हर किसी के जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बन गया है और वेबिनार का आयोजन सदस्य निर्यातकों को उभरती प्रवृत्तियों और प्रौद्योगिकियों को उजागर करने के लिए किया गया था।

श्री सिद्ध नाथ सिंह, अध्यक्ष कालीन निर्यात संवर्धन परिषद, श्री हुसैन जाफर हुसैनी, श्री सतीश वट्टल, श्री संजय गुप्ता, श्री श्रीराम मौर्य, सदस्य प्रशासनिक समिति, श्री संजय कुमार, अधिशासी निदेशक एवं 70 से अधिक सदस्य निर्यातकों ने वेबिनार में भाग लिया। ईबे के प्रमुख वक्ता श्री रौनक रहेजा - हेड - ईबे में विक्रेता मार्केटप्लेस अनुभव, श्री आशीष कुमार गुप्ता- हेड, कानूनी, सरकारी संबंध और कंपनी सचिव, ईएस ऑनलाइन सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (ईबे ग्रुप कंपनी) और श्री प्रसनजीत पोद्दार - श्रेणी प्रबंधक (गृह, स्वास्थ्य और फैशन श्रेणियां)।

श्री सिद्ध नाथ सिंह, अध्यक्ष कालीन निर्यात संवर्धन परिषद ने प्रशासनिक समिति के सदस्यों और सदस्य निर्यातकों के साथ ईबे टीम का स्वागत किया। उन्होंने उल्लेख किया कि जब कोरोना महामारी के बीच परिषद ने पिछले साल वर्चुअल मेलों का आयोजन शुरू किया था, तो सदस्य निर्यातकों को समझने में समय लगा। आज परिषद ने तीन सफल वर्चुअल मेलों का आयोजन किया है और इसने भारतीय हसनिर्मित कालीनो के निर्यात को बढ़ाने में योगदान दिया है और वर्चुअल मेलों के बाद निर्यात मे 25-49% की वृद्धि हुई है उन्होंने यह भी कहा कि हम उम्मीद कर रहे हैं कि मार्च के अंत तक हमारा एक्सपोर्ट 13,000 करोड़ रुपये का हो जाएगा जोक अब तक का सबसे अधिक निर्यात होगा । सिद्ध नाथ सिंह ने उल्लेख किया कि ई-कॉमर्स एक नया अवसर है और समय की आवश्यकता भी है। ई-कॉमर्स हमारे निर्यातको एवं कारीगरों के लिए एक वरदान साबित होगा जिससे अधिक व्यापार उत्पन्न होगा और बदले में हमारे निर्यात को बढ़ने में मदद करेगा । श्री सिद्ध नाथ सिंह ने कहा कि यह वेबिनार हमारे सदस्य निर्यातकों के लाभ के लिए है और सभी को इस अवसर का उपयोग करना चाहिए।

परिषद के अधिशासी निदेशक श्री संजय कुमार ने वेबिनर के दोरान ईबे से मुख्य वक्ता का परिचय कराया और प्रस्तुति का संक्षिप्त अवलोकन किया।

ईबे टीम द्वारा प्रस्तुति दी गई थी जिसमें बताया गया था कि ईबे कालीन निर्यात संवर्धन परिषद के सदस्यों को सबसे बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने निर्यात कारोबार को बढ़ाने में मदद कर सकता है। श्री रौनक रहेजा, हेड सेलर मार्केटप्लेस एक्सपीरियंस ने कहा कि ईबे हमारे सदस्यों को पूर्ण हैंडहोल्डिंग प्रदान करेगा और हमारे सदस्यों को विशेष रेड कार्पेट सेवाएं भी दी जाएंगी, जिसमें हमारे सदस्यों को पसंदीदा लॉजिस्टिक दरों के साथ सदस्यता पर 3 महीने की छूट भी शामिल है। प्रसनजीत पोद्दार ने कहा कि 500 लिस्टिंग नि: शुल्क और विक्रेता शुल्क पर छूट के लिए प्रदान किया जाएगा। सेलर को एक विशिष्ट वेब

पता (URL) मिलेगा: - www.ebaystores.com/storename और कई अन्य रेड कार्पेट सेवाओं के बीच एक वेबसाइट की तरह अपने स्टोर को डिजाइन कर सकते हैं एवं यह सभी सुविधाए सदस्यों के लिए उपलब्ध है।

प्रस्तुति के बाद संक्षिप्त प्रश्नोत्तर सत्र किया गया था जहां सदस्य निर्यातकों ने लॉजिस्टिक समर्थन और ईबे द्वारा प्रदान किए गए एकीकृत भुगतान गेटवे के बारे में पूछताछ की थी। सदस्यों ने ईबे पर पंजीकरण की प्रक्रिया और आगे के कदमों के बारे में भी जानकारी ली। श्री संजय कुमार ने अपडेट किया कि परिषद जल्द ही प्रतिभागियों को प्रस्तुति और आगे के प्रणाली भेजेगा ।

श्री संजय गुप्ता, सदस्य प्रशासनिक समिति ने सत्र को संक्षेप में प्रस्तुत किया। उन्होंने परिषद के कार्यालय द्वारा एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर एक वेबिनार के आयोजन में लगाए गए प्रयास की सराहना की और शानदार प्रस्तुति के लिए ईबे टीम को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने भारतीय हस्तनिर्मित कालीनों के लिए एक वीडियो बनाने पर अपना सुझाव दिया जो दुनिया भर में ब्रांडिंग और विपणन में मदद करेगा।

श्री सतीश वट्टल, सदस्य प्रशासनिक समिति ने वेबिनर औपचारिक धायनवाद ज्ञापित किया ओर वेबिनर मे आए सभी प्रतिभागियो को धन्यवाद दिया ।